जिला हाथकरघा कार्यालय, चंदेरी,
जिला अशोक नगर
हाथकरघा उद्योग में कार्यरत् बुनकर की सफलता

1. बुनकर का नाम एवं पता :— श्री हुकुमचंद कोली, प्राणपुर,चंदेरी, जिला अशोकनगर
2. जन्म तिथि :— दिनांक 11.12.1984 (30 वर्ष)
3. बुनाई का ज्ञान :— परंपरागत बुनकर
4. उत्पाद का नाम :— चंदेरी सिल्क सॉडी एवं ड्रेस मटेरियल
5. स्थापित मशीनरी का नाम :— फ्रेम लूम, 68''
6. वर्तमान मासिक आय :— लगभग रूपये 8,000/—प्र.मा.
7. हाथकरघा विभाग व्दारा प्रदत्त सहायता :— उन्नत किस्म का हाथकरघा एवं सहायक उपकरण
8. जीवन परिचय

श्री हुकुमचंद कोली, पिता श्री रणधीरसिंह कोली, परंपरागत बुनकर समुदाय से है, परिवार में प्रारंभ से ही आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अपनी प्रारंभिक शिक्षा 6 वी तक ही पूर्ण कर पाये और इनके व्दारा शिक्षा कार्य को छोडतें हुए बुनाई कार्य अपने पिता से सीखा और बुनाई कार्य प्रारंभ किया। कुछ समय उपरांत इनके व्दारा स्वयं खाका/नक्शा डिजाईनिंग का कार्य भी सीखा जो कि इनके लिये काफी लाभदायक सिद्ध हुआ। और आज भी इनके व्दारा पूर्ण लगन से बुनाई कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में श्री कोली अपने हुनर को निरंतर जारी करते हुए, सफलता की और अग्रसर है। आज ये कबीर बुनकर सहकारी समिति के अध्यक्ष पद पर विद्यमान होते हुए अपने रोजगार को निरंतर बढाते हुए लगभग 20 बुनकरों को रोजगार भी दे रहे है।

9. विशेष पुरस्कार :— वर्ष 2010 में श्री कोली कों राज्य स्तरीय कबीर बुनकर पुरस्कार योजना में प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से दिया गया है।

जिला हाथकरघा कार्यालय, चंदेरी,
जिला अशोक नगर

हाथकरघा उद्योग में कार्यरत् बुनकर की सफलता

1. बुनकर का नाम एवं पता	:– श्रीमती सुनिता कोली पत्नी श्री नटराज सिंह, बडापुरा, प्राणपुर, चंदेरी, जिला अशोकनगर
2. जन्म तिथि	:– वर्ष 1981
3. बुनाई का ज्ञान	:– परंपरागत बुनकर
4. उत्पाद का नाम	:– चंदेरी सिल्क सॉडी एवं ड्रेस मटेरियल
5. स्थापित मशीनरी का नाम	:– फ्रेम लूम, 68''
6. वर्तमान मासिक आय	:– लगभग रूपये 7,000/–प्र.मा.
7. हाथकरघा विभाग व्दारा प्रदत्त सहायता सहायक	:– उन्नत किस्म का हाथकरघा एवं उपकरण
8. जीवन परिचय	

श्रीमती सुनीता कोली, पत्नी श्री नटराजसिंग कोली, परंपरागत बुनकर समुदाय से है, श्रीमती कोली ने बुनाई कार्य स्वयं अपने पिता से 16 वर्ष की उम्र में ही सीखा है। अपनी प्रारंभिक शिक्षा 8 वी तक ही पूर्ण की है। विवाह उपरांत श्रीमती कोली के ससुराल बुनाई कार्य ही रोजगार का मुख्य साधन है। इनके पति भी बुनाई का कार्य करते है। श्रीमती कोली अपने पति के सांथ कंधे से कंधा मिलाकर बुनाई कार्य निरंतर कर रही है। और आज भी इनके व्दारा पूर्ण लगन से बुनाई कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में श्रीमती कोली अपने हुनर को निरंतर जारी करते हुए, सफलता की और अग्रसर है। इनकी कला में अत्यधिक निखार आने से भारी डिजाईन युक्त साडियों का निर्माण कर रोजगार प्राप्त कर रही है। ओर अपने परिवार को आर्थिक रूप से सहयोग दे रही है।

9. विशेष पुरस्कार :– वर्ष 2010 में श्रीमती सुनीता कोली कों राज्य स्तरीय कबीर बुनकर पुरस्कार योजना में व्दितीय पुरस्कार संयुक्त रूप से दिया गया है।

जिला हाथकरघा कार्यालय,महेश्वर,
जिला खरगोन

हाथकरघा उद्योग में कार्यरत् बुनकर की सफलता

1. बुनकर का नाम एवं पता महेश्वर	:– श्री अजीज अंसारी, जूना बाजार, जिला खरगोन
2. जन्म तिथि	:– दिनांक 17.05.1975 (39 वर्ष)
3. बुनाई का ज्ञान	:– परंपरागत बुनकर
4. उत्पाद का नाम	:– महेश्वरी सिल्क सॉडी एवं ड्रेस मटेरियल
5. स्थापित मशीनरी का नाम	:– फ्रेम लूम, 68''
6. वर्तमान मासिक आय	:– लगभग रूपये 15,000/–प्र.मा.
7. हाथकरघा विभाग व्दारा प्रदत्त सहायता सहायक	:– उन्नत किस्म का हाथकरघा एवं उपकरण
8. जीवन परिचय	

श्री अजीज अंसारी पिता श्री अब्दुल मजीद अंसारी परंपरागत अल्पसंख्यक बुनकर समुदाय से है, इनका जन्म मध्यमवर्गीय जुलाहा मुस्लिम परिवार में हुआ। परिवार में प्रारंभ से ही अपने पिता एवं दादा के साथ बुनाई कार्य में सहयोग करते हुए बुनाई कार्य में दक्षता प्राप्त की और आज भी इनके व्दारा पूर्ण लगन से बुनाई कार्य किया जा रहा है। श्री अजीज प्राथमिक शिक्षा के समय से ही बुनाई कार्य के तकनीकी एवं बारीकियों को सीखनें में रूचि रखते रहे है। श्री अजीज व्दारा हाथकरघा में महेश्वरी साडियों पर देवी श्री अहिल्याबाई होल्कर की प्राचीन राजधानी महेश्वर में स्थित प्राचीन किला, छत्रियों, मंदिरों आदि पर उत्कीर्ण स्थापत्य कला को परंपरागत रूप से महेश्वरी साडी की किनार तथा पल्लू में कलात्मक ढंग से उतारा गया है।

9. विशेष पुरस्कार :– वर्ष 2010 में श्री अजीज कुरेशी कों राज्य स्तरीय कबीर बुनकर पुरस्कार योजना में प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से दिया गया है।